Answers to RHA/Set-3

खंड–'क' (अपठित बोध)

1. (*i*) (घ) मात्र कल्पना

(*ii*) (ग) केवल कथन 3 सही है।

(*iii*) (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iv*) जीवन एक निरंतर चलने वाले संघर्ष का नाम है। जीवन में अनेक बाधाएँ आती हैं, इन्हीं बाधाओं से संघर्ष करते हुए निरंतर उत्साह, उमंग, विश्वास, प्रेम एवं साहस का साथ जीवन को जीना ही जीवन का सार है।

(*v*) स्वप्न असत्य और काल्पनिक है। मनुष्य स्वप्न के माध्यम से अवास्तविक कल्पना करता है और वह उसे अपने परिश्रम एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से वास्तविकता में बदल देता है। जीवन में स्वप्न का महत्व केवल वहीं तक है जहाँ तक वह मनुष्य के जीवन को आगे बढ़ाने में प्रेरक होता है।

2. (*i*) (ख) कथन 1, 2 और 3 सही हैं।

(*ii*) (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(*iii*) (ग) राष्ट्रप्रेम पर

(*iv*) वीर जवानों ने अपनी कुर्बानी देकर देश की रक्षा की। वे देश की अखंडता के लिए हँसते-हँसते शूली पर चढ़ गए। उसने अपने साहस और हिम्मत से दुश्मनों को पीछे खदेड़ दिया।

(*v*) जयचंद जैसे लोग देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं। वे देश को जाति-पाँति व वर्गों-फिरकों में बाँटना चाहते हैं। उनकी लालची नजरें हमारी ओर टिकी हुई है। उन्हें हमारे देश की तरक्की से ईर्ष्या होती है।

खंड–'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

3. (*i*) जब बाबू जी रामायण का पाठ करते, क्रिया विशेषण उपवाक्य

(*ii*) सरल वाक्य

(*iii*) जीप जब कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।

(*iv*) घर आते ही उनके साथ ही हम भी चौंके पर खाने बैठते थे।

(*v*) एक दिन मैं वहीं सड़क पर घूम रहा था और एक जले हुए पत्थर पर मैंने एक लंबी उजली छाया देखी।

4. (*i*) बाबू जी द्वारा रामायण का पाठ किया जाता था।

(*ii*) कर्मवाच्य

(*iii*) कर्तृवाच्य

(*iv*) नवाब साहब ने खीरे पर मसाला छिड़का।

(*v*) भाववाच्य

5. (*i*) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, वाक्य का कर्म

(*ii*) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, नदी विशेष्य का विशेषण

(*iii*) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, चढ़ना, क्रिया की विशेषता बताने का कार्य।

(*iv*) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, वाक्य का कर्ता

(*v*) अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यसूचक

6. (*i*) उत्प्रेक्षा अलंकार

(*ii*) मानवीकरण अलंकार

(*iii*) उपमा अलंकार

(*iv*) रूपक अलंकार

(*v*) अतिशयोक्ति अलंकार

खंड–'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. (*i*) (ग) कथन 2 और 4 सही हैं।

(*ii*) (क) धान की रोपनी का काम।

(*iii*) (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(*iv*) (घ) रोपनी करने वाले की अँगुलियाँ थम जाती हैं।

(*v*) (ग) केवल कथन 2 सही है।

8. (क) लेखक के अनुसार सभ्यता और संस्कृति तब खतरे में पड़ जाती है जब किसी जाति अथवा देश पर अन्य लोगों की ओर से आक्रमण होता है। हिटलर के आक्रमण के कारण मानव संस्कृति खतरे में पड़ गई थी। धर्म, संप्रदाय, वर्ण व्यवस्था आदि के नाम पर होने वाले दंगों से भी संस्कृति खतरे में पड़ जाती है।

(ख) हालदार साहब जब पहली बार कस्बे से गुज़रे, तो उनके चेहरे पर कौतुकभरी मुस्कान फैल गई, क्योंकि कस्बे के मुख्य चौराहे पर उन्होंने नेताजी की सुंदर मूर्ति देखी, जो संगमरमर की बनी हुई थी, लेकिन मूर्ति पर लगा चश्मा वास्तविक था।

(ग) लेखक बालगोबिन भगत के स्वभाव तथा व्यक्तित्व पर मुग्ध थे। वे उनके संगीतमय जादू से चमत्कृत थे। उन्हें आश्चर्य होता था कि एक गृहस्थ होते हुए भी साधुओं जैसा जीवन भगत जी कैसे बिताते हैं। उनके शांत स्वभाव, संगीत-साधना तथा निश्चित दिनचर्या पर वे मुग्ध थे।

(घ) माँ में इतनी विशेषताएँ होते हुए भी लेखिका अपनी माँ को अपना आदर्श नहीं बना सकीं। लेखिका स्वयं स्वतंत्र विचारों की थीं। वे अपने अधिकार और कर्तव्य समझती थीं। माँ पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य समझकर सहन करती थीं। माँ की असहाय मजबूरी में लिपटा उनका त्याग और सहनशीलता कभी भी लेखिका का आदर्श नहीं बन सका।

9. (*i*) (क) केवल कथन 2 सही है।

(*ii*) (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(*iii*) (ग) गोपियाँ कृष्ण प्रेम में पूर्ण रूप से आसक्त हैं।

(*iv*) (क) केवल कथन 1 सही है।

(*v*) (ग) श्री कृष्ण को

10. (क) अपने इष्ट की प्रिय वस्तु के टूट जाने पर मुझे क्रोध अवश्य आता, परंतु मैं उस क्रोध की अभिव्यक्ति मर्यादा में रहकर करता, क्योंकि मेरे विचार में मर्यादाएँ केवल छोटों के लिए ही नहीं बड़ों के लिए भी आवश्यक हैं। अतः मर्यादित आचरण करके पहले मैं उस तथ्य का पता लगाता, जिसके कारण शिव धनुष-खंडन की घटना घटित हुई। यह विचार करके कि धनुष का टूटना एक शुभ घटना थी और धनुष का खंडन करने वाले स्वयं विष्णु के अवतार श्रीराम थे, मैं श्रीराम का सम्मान करता और उनको शुभकामनाएँ देता। ये शुभकामनाएँ इसलिए भी होतीं कि उन्होंने धनुष का खंडन करके राजा जनक को पुत्री के विवाह की चिंता से मुक्त कर दिया था।

(ख) हमारे पाठ्यक्रम में 'उत्साह' कविता में बादलों की गर्जना का आह्वान किया है। कवि बादलों की गर्जना का आह्वान करके इस संसार के व्याकुल, उदास और ताप से पीड़ित (दुखी) लोगों को सुख देना चाहता है। कवि का मानना है कि बादलों की गर्जना से एक नए उत्साह और शक्ति का सृजन होता है। वर्षा-जल से लोगों को शीतलता एवं तृप्ति मिलती है।

(ग) ये पंक्तियाँ 'संगतकार' कविता से ली गई है। संगतकार लगातार यह कोशिश करता है कि उसका स्वर मुख्य गायक के स्वर से कहीं ऊँचा न हो जाए, परंतु यह उसकी असफलता नहीं है, न ही कमज़ोरी और न ही हीनता; अपितु यह तो उसकी मनुष्यता है, जिसके पीछे यही भावना छिपी रहती है कि दूसरे को हीन दिखाकर या दबाकर अपनी महानता प्रदर्शित करना मनुष्यता नहीं है। इससे उसके मानवतावादी विचारों का बोध होता है।

(घ) आत्मकथा लिखते समय अपने अतीत का हर पन्ना खोलना होगा। जीवन से जुड़े दुखों, अभावों तथा असफलताओं एवं हृदयगत दुर्बलताओं का उल्लेख करना होगा। मानव का स्वभाव है, वह दूसरों के दुखों को देखकर आनंद लेता है, उसका उपहास उड़ाता है। कवि उससे बचना चाहते हैं। कवि की व्यथाएँ थककर सो चुकी हैं। कवि आत्मकथा द्वारा उन्हें पुनः जगाना नहीं चाहते।

11. (क) वर्तमान पीढ़ी अपनी सुख-सुविधा व आराम के लिए प्रकृति को जाने-अनजाने नष्ट कर रही है। पर्यटन स्थलों को गंदा कर वहाँ के प्राकृतिक सुंदरता को नष्ट कर रही है। लोग सैर-सपाटे के लिए वहाँ जाते हैं और कूड़ा-करकट फैलाकर उन्हें गंदा कर देते हैं। सैर-सपाटे के दौरान पर्वतीय स्थलों की सुंदरता को बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। हमें साफ़-सफ़ाई का पूरा-पूरा ध्यान रखना चाहिए। इधर-उधर कूड़े नहीं फैलाना चाहिए। एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमें प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों एवं उपकरणों के प्रयोग से भी बचना चाहिए।

(ख) भोलानाथ और उसके साथियों के खेलों में स्थानीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उनके खेल-सामग्रियों में घर एवं घर के आसपास के उपलब्ध साधनों जैसे चूहेदानी, काठ की पटरी, आम और केले की टहनी, कुल्हिए, खटोली, रस्सी आदि का प्रयोग किए जाते थे। लेकिन आज खिलौनों का रूप बदल गया है। आज प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स के महँगे खिलौने आ गए हैं। आज रिमोट से चलने वाली गाड़ियाँ व वीडियो गेम बच्चों का पसंदीदा खेल बन गया है। बच्चे बाहर खेलने के बजाय बंद घरों के भीतर खेलना पसंद करते हैं। इस प्रकार बच्चों द्वारा खेले जाने वाले आधुनिक खेल पारंपरिक खेलों से बिलकुल भिन्न हैं।

(ग) यह सच है कि विज्ञान का उपयोग या दुरुपयोग मानव की इच्छा पर निर्भर है। हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है और आज भी जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान का दुरुपयोग देखा जा सकता है। इसके दुरुपयोग से अनेक तरह के विध्वंसकारी उपकरण जैसे बम, मिसाइल, तोप आदि बनाए जा रहे हैं। दैनिक जीवन में भी इसका दुरुपयोग तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। किसान कीटनाशक और जहरीले रासायनिक पदार्थ का उपयोग करते हैं। इससे फ़सलों के पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं तथा ये हमारे स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। विज्ञान के आधुनिक उपकरणों जैसे एयरकंडीशन, फ्रीज, हीटर आदि के प्रयोग से वातावरण में गरमी एवं प्रदूषण बढ़ रहा है। इस प्रकार मानव अपनी आवश्यकता की पूर्ति एवं विलासितापूर्ण जीवन के लिए वैज्ञानिक उपकरणों का दुरुपयोग कर रहा है।

खंड–'घ' (रचनात्मक लेखन)

12. (क) **खेलकूद है आवश्यक**

खेल हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है। यह हमारे शारीरिक एवं मानसिक विकास का स्रोत है। मानव जीवन में खेलकूद का उतना ही महत्व है, जितना भोजन का। खेलकूद से न केवल मनोरंजन होता है, बल्कि स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। खेलकूद दिमाग को ताज़गी प्रदान करता है, जिससे एकाग्रता आती है। खेलकूद स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। ये शरीर के विभिन्न अंगों के उचित संचालन में सहायक होते हैं। खेलने से शरीर का व्यायाम होता है और शरीर में जमा जल बाहर आता है। इनसे मांसपेशियाँ सुसंगठित होती हैं। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं सामूहिकता की भावना भी विकसित होती है। खेलकूद से अनुशासन की प्रेरणा मिलती है। इससे विद्यार्थियों में संयम, दृढ़ता, गंम्भीरता, एकाग्रता, सहयोग एवं अनुशासन की भावना का विकास होता है। खेलकूद में होने वाली हार-जीत भी विद्यार्थियों को जीवन में सफलता-असफलता के समय संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। खेलों से मनुष्य में आत्मनिर्भरता की भावना आती है और मनोबल बढ़ता है।

(ख) **लोकतंत्र और चुनाव**

लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है-चुनाव। चुनाव को निर्वाचन-प्रकिया के नाम से भी जाना जाता है। चुनाव के बिना लोकतंत्र की परिकल्पना करना मुश्किल है। चुनाव ही लोकतांत्रिक देश के व्यक्ति को वह शक्ति देता है कि वह अपने नेता को चुन सके। चुनाव में लोगों के मत का बहुत महत्व होता है। चुनाव में ही एक नागरिक

अपनी मतदान की शक्ति का प्रयोग करके बड़ा परिवर्तन ला सकता है। जनता अपने सांसदों, विधायकों एवं न्यायपालिकायों का चुनाव करती है। ये चुने हुए प्रतिनिधि जनता की आवाज़ होते हैं। इस तरह से लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया एक सामान्य नागरिक को विशेष अधिकार प्रदान करता है क्योंकि चुनाव में मतदान करके वह सत्ता एवं शासन के संचालन में हिस्सेदार बन सकता है। लोकतंत्र की सुरक्षा एवं सफलता के लिए आवश्यक है कि शासकीय पदों पर कर्मठ एवं ईमानदार लोग ही चुनकर जाएँ। हमें कभी भी जाति-धर्म के आधार पर मतदान नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है। जब शासकीय पदों पर कर्मठ एवं ईमानदार प्रतिनिधि चुनकर जाएँगे तभी देश का विकास होगा।

(ग) **'जहाँ चाह वहाँ राह'**

एक प्रेरणादायक एवं सकारात्मक कहावत है। इस कहावत से हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मनुष्य की इच्छाशक्ति का महत्व प्रकट करने वाली इस कहावत से हमें एक नई ऊर्जा मिलती है। सफलता पाने के लिए हमारे अंदर दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए। मनुष्य का मन उसकी सबसे बड़ी शक्ति है इसलिए हमें अपने मन को मज़बूत बनाना चाहिए। यदि मनुष्य कुछ करने को ठान लें तो वह उसे अवश्य पूरा कर सकता है। दृढ़इच्छाशक्ति से वह ईश्वर को भी प्राप्त कर सकता है। मनुष्य अपने इच्छाशक्ति के बल पर सब कुछ करने में समर्थ है। सफलता पाने एवं कार्य को पूरा करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति आवश्यक है क्योंकि यह व्यक्ति को कठिनाइयों से लड़ने एवं सफलता पाने में मदद करती है। दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में हम छोटी कठिनाइयों से भी निराश हो जाते हैं। जीवन में सफलता पाने के लिए हमें अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने की जरूरत है। हमें सफलता एवं जीत पाने के लिए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि जहाँ चाह वहाँ राह है।

13. **(क)** परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक – 20 जून, 20xx

सेवा में

मुख्य संपादक

दैनिक भास्कर

मंडी हाउस, नई दिल्ली

विषयः सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान से बढ़ते रोगों के संबंध में।

महोदय

मैं इस क्षेत्र की जागरूक नागरिक होने के नाते आपका ध्यान बवाना क्षेत्र की ओर आकृष्ट करना चाहती हूँ। यहाँ आजकल लोग पार्कों में बैठकर, सड़क के किनारे व सड़क पर चलने वाले प्रत्येक वाहन में धूमपान करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें प्रत्येक उम्र के बच्चे, बड़े तथा बूढ़े व्यक्ति भी शामिल हैं। जहाँ एक ओर हम स्वच्छ भारत का नारा लगा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हम अनेक प्रकार के दुर्व्यसनों से अपने जीवन तथा अन्य लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। धूम्रपान करने वाला व्यक्ति न केवल स्वयं अपने जीवन को नष्ट कर रहा है, अपितु सार्वजनिक स्थलों में अपने आस-पास के लोगों को भी बीमार कर रहा है।

अतः आपसे नम्र निवेदन है कि हमारी इस समस्या को आप अपने अखबार में छापकर लोगों का ध्यान इस ओर आकृष्ट करें।

भवदीय

क०ख०ग०

अथवा

(ख) परीक्षा भवन
छात्रावास
अ.ब.स. विद्यालय
य.र.ल. नगर
25 जून, 20xx
प्रिय बहन,
शुभाशीष
मैं यहाँ पर कुशल हूँ तथा ईश्वर से तुम्हारी कुशलता की कामना करती हूँ। मुझे आज ही समाचार मिला कि तुम्हें एक आवासीय विद्यालय में प्रवेश मिल गया है। तुम्हें यह तो ज्ञात है कि तुम पढ़ाई में हमेशा अव्वल आती रही हो और तुमने अपने जीवन में सदैव अच्छे मित्रों का चुनाव किया है। एक अच्छा मित्र औषधि के समान होता है, जो जीवन की अनेक व्याधियों को दूर करता है इसलिए अच्छे मित्र के चुनाव में सदैव सावधानी बरतना, जिससे जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सको। आशा है कि तुम मेरा सुझाव जीवन-भर याद रखोगी और अमल करोगी। माता-पिता की तरफ़ से प्यार और मेरी ओर से प्यार।
तुम्हारी बहन
क०ख०ग०

14. (क) नाम — मानव सिंह
पिता का नाम — श्री महेश सिंह
माता का नाम — श्रीमती पुष्पा देवी
जन्मतिथि — 05/02/2000
वर्तमान पता — C- 153, नोएडा सेक्टर-51, उ०प्र०
स्थायी पता — उपर्युक्त
टेलीफोन न० — 0120-89XXXXXX
मोबाइल नं० — 9838XXXXXX
ई-मेल — Manav@gmail.com

क्र०सं०	परीक्षा/डिग्री/ डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय/बोर्ड/ महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	दसवीं कक्षा	2015	अ.ब.स. विद्यालय सी०बी०एस०ई०	अंग्रेजी, हिंदी, गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान	प्रथम	70%
2.	बारहवीं कक्षा	2017	अ.ब.स. विद्यालय सी०बी०एस०ई०	अंग्रेजी, हिंदी, गणित, इतिहास, भूगोल	प्रथम	72%
3.	बी०ए०	2020	श.ष.स. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय	अंग्रेजी	प्रथम	70%
4.	डेस्क टॉप पब्लिशिंग प्रोग्राम में डिप्लोमा	2021 (एक वर्ष)	इग्नू			

अन्य योग्यताएँ

- कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान एवं अभ्यास।
- हिंदी तथा अंग्रेज़ी भाषा का अच्छा ज्ञान।

उपलब्धियाँ

1. स्नातक तीन वर्षों में प्रथम श्रेणी से पुरस्कृत
2. वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

अभिरुचियाँ

1. देश-विदेश भ्रमण का शौक
2. संगीत का शौक

सम्मानित व्यक्तियों का विवरण

1. सोहन वर्मा, विधायक, पूर्व दिल्ली
2. होडल सिंह, प्रधानाचार्य, सर्वोदय सीनियर सेकेंडरी स्कूल - त्रिलोकपुरी, नई दिल्ली।

मैं प्रमाणित करता हूँ कि आवेदित पद के निर्धारित योग्यताएँ मुझमें है। मैं पूरी निष्ठा के साथ काम करूँगा।

धन्यवाद सहित

मानव

20 मार्च, 20xx

अथवा

(ख) प्रेषक – mns@gmail.com

प्राप्तकर्ता – abc@gmail.com

प्रतिलिपि – rbc@gmail.com

गोपनीय प्रतिलिपि – .....

विषय – ऑर्डर रद्द करवाने के संदर्भ में।

महोदय,

सस्नेह शुभकामनाएँ।

सविनय आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि मैंने 26 अप्रैल, 20xx को आपकी ई-कमर्शियल कंपनी में 25 रजिस्टर का ऑर्डर दिया था, जो एक सप्ताह में मुझे प्राप्त हो जाना चाहिए था। मेरा ऑर्डर नंबर 54321678 है। दस-बारह दिन बीत जाने पर भी मुझे अभी तक रजिस्टर नहीं मिले। मेरी पढ़ाई का नुकसान हो रहा था। किसी तरह मैंने रजिस्टरों का प्रबंध कर लिया है। इतनी प्रतिष्ठित कंपनी द्वारा ऐसी लापरवाही शोभा नहीं देती। मैं जानता हूँ कि कंपनी उपभोक्ताओं की ज़रूरतों का ध्यान रखती है। विश्वास है कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। आप मेरा ऑर्डर रद्द कीजिए। कृपया मेरे द्वारा जमा की गई धनराशि वापिस लौटा दीजिए। आशा है कि आप इस पर जल्दी ही कार्यवाही करेंगे। बिल की कॉपी मेल के साथ संलग्न है।

कृपया मेल स्वीकार कीजिए।

सधन्यवाद।

सहयोगांकाक्षी

अ.ब.स.

15. (क)

जीवन को नहीं मिलता शुद्ध हवा का झोंका
सोचो, कौन कर रहा है, किससे धोखा....।

प्रकृति का ना करें हरण...
आओ, बचाएँ पर्यावरण...

**''आओ, मिलकर पेड़ लगाएँ,
देश को प्रदूषण मुक्त बनाएँ।''**

भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी...

अथवा

(ख)

राष्ट्रपति
भारत सरकार
दिनांक 15 अगस्त, 20XX सुबह - 6:00 बजे
स्वतंत्रता-दिवस के महापर्व पर राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन।
समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता-दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!
'जय हिंद'।
क०ख०ग०